ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषिऔर प्रौद्योगिकीविश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक :19.09.2023

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान – जारी करने का दिन :2023-09-19 (अगले5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	20/09/2023	21/09/2023	22/09/2023	23/09/2023	24/09/2023
वर्षा (मीमी)	1.0	8.0	5.0	5.0	5.0
अधिकतम तापमान(से.)	35.0	34.0	32.0	33.0	33.0
न्यूनतम तापमान(से.)	25.0	25.0	25.0	24.0	24.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	75	85	85	85	90
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	50	55	60	60	60
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6	8	8	12	8
पवन दिशा (डिग्री)	70	70	70	130	70
क्लाउड कवर (ओक्टा)	5	4	4	2	4

सम सारांश / चेतावनी:

पिछले सात दिनों (12-18 सितंबर) में 19.2 मिमी बारिश दर्ज की गई और अधिकतम और न्यूनतम तापमान 29.0 से 34.5 डिग्री सेल्सियस और 24.3 से 26.8 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। पिछले सप्ताह के दौरान अधिकांश दिन आसमान में बादल छाए रहे। सुबह की सापेक्ष आर्द्रता 0712 बजे 87 से 95% के बीच थी और शाम की सापेक्ष आर्द्रता 1412 बजे 61 से 88% के बीच थी। हवा की गति 0.1 से 2.5 किमी प्रति घंटा थी और हवा की दिशा ज्यादातर उत्तर और उत्तर-उत्तर-पूर्व की ओर थी। आगामी पांच दिनों के लिए पूर्वानुमान में 1-8 मिमी तक हल्की बूंदाबांदी और अधिकतम और न्यूनतम तापमान 32 से 35 डिग्री सेल्सियस और 24-25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। हवा की गति 6-8 किमी प्रति घंटा थी और दिशा ज्यादातर पूर्व-उत्तर-पूर्व थी। 20 सितम्बर को उधम सिंह नगर जिले में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा/आंधी चलने की संभावना है। 19 , 21, 22 और 23 सितंबर को अलग-अलग स्थानों पर इसी तरह की स्थिति बनी रह सकती है। चेतावनी: 20.09.2023 को तेज बारिश के साथ आंधी/बिजली गिरने की पीली चेतावनी की भविष्यवाणी की गई है।

सामान्य सलाहकार:

जिलेवार साप्ताहिक औसत वर्षा जिले में अधिक यानी 151.2 मिमी वर्षा दर्शाती है और विस्तारित रेंज वर्षा रिपोर्ट 15 से 21 सितंबर तक क्षेत्र के लिए सामान्य वर्षा दर्शाती है। 7 से 13 सितंबर तक हुई वर्षा राज्य में 46% अधिक वर्षा का संकेत देती है जो कि 62.2 मिमी के मुकाबले 76.1 मिमी है और वर्षा पूर्वानुमान मानचित्र राज्य के लिए सामान्य वर्षा की स्थिति को दर्शाता है।किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान आदि की जानकारी के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें बिजली संबंधी जानकारी पाने के लिए कृषि मौसम संबंधी सलाह और "दामिनी ऐप"। मेघदूत और दामिनी ऐप्स कर सकते हैं गूगल प्ले स्टोर (एंड्रा इड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) से डाउनलोड किया जा सकता है। इससे उन्हें कृषि गतिविधियों के संबंध में सही निर्णय लेने में मदद मिलेगी।

लघु संदेश सलाहकार:

राज्य में हल्की बारिश का संकेत है, इसलिए खेती की गतिविधियां तदनुसार की जा सकती हैं और शुष्क परिस्थितियों में मिट्टी की नमी बनाए रखी जानी चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	कल्ले फूटना	बैक्टीरियल ब्लाइट के लक्षण जैसे पत्तियों पर पानी से लथपथ धब्बे और उनके धीरे-धीरे बढ़ने पर लंबी धारियां बन जाती हैं जो धीरे-धीरे हल्के भूरे रंग की हो जाती हैं। अधिक रोग होने पर स्ट्रेप्टोसाइक्लिन 15 ग्राम + कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 500 ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से 1000 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करना चाहिए। छिड़काव 7-10 दिनों के अंतराल पे करना चाहिए। तना छेदक कीट यदि ईटीएल के ऊपर उपस्थिति है तो उस पर क्लोरान्ट्रानिलीप्रोले 20 एस.सी 150 मि.ली. या फ्लूबेंडिबें यामाइड 480 एससी 75 मि.ली. या फिप्रोनिल 5 एससी 1.0 लीटर या 600 ग्राम कार्टाप हाइड्रो क्लोराइड 50 डब्लूपी या 2.5 लीटर क्लोरपाइरीफॉस 20 ईसी प्रति हेक्टर की दर से 500-600 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करना चाहिए। आम कीट यानी धान फुदका के प्रकोप पर किसानों को ट्रा इफ्लूमेज़ोपायरिम 10 एससी 235 मिली/फिप्रोनिल 5 एससी 1000 मिली/बुप्रोफेज़िन 25 एससी 1 लीटर/ थियामेथोक्जाम 25 डब्लूएसजी 100 ग्राम प्रति हेक्टेयर के दर से 500 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। छिड़काव तने के पास करना चाहिए। कम संक्रमण की स्थिति में बुप्रोफेज़िन , अधिक संक्रमण की स्थिति में ट्रा इफ्लूमेज़ोपायरिम और तना छेदक+ब्राउन प्लांट हॉपर के हमले की स्थिति में फिप्रोनिल 5 एससी का उपयोग करना चाहिए।
गन्ना	गन्ना बढ़ाव चरण/ बुवाई	सबसे प्रचलित लाल सड़न रोग के लक्षण मानसून के मौसम के बाद प्रकट हो सकते हैं जो कटाई तक बने रहते हैं। इसके लिए किसानों को प्रतिरोधी किस्मों का उपयोग करना होगा और अपने खेतों को साफ रखना होगा। संक्रमित गन्नों को जड़ से उखाड़कर जला देना चाहिए । संक्रमित गन्नों को पूरी तरह नष्ट करना और उपचारित बीजों का उपयोग सर्वोत्तम निवारक उपाय हैं। आवश्यकतानुसार दो पंक्तियों के तीन डंठलों को एक साथ बांधना चाहिए (कैंची बांधनी चाहिए)। सफेद ग्रब का प्रकोप होने पर फिप्रोनिल 40 प्रतिशत और इमिडाक्लोप्रिड 40 प्रतिशत डब्लूजी 200 ग्राम प्रति एकड़ को 500 लीटर पानी में घोलकर खेत में डालना चाहिए। शरदकालीन गन्ने की बुआई कार्बेन्डाजिम 50% डब्लू पी के 0.1% घोल में 10 मिनट तक उपचारित गन्ना बीज से करनी चाहिए। शरदकालीन बुआई के लिए गन्ने के डंठल का निचला दो दो तिहाई भाग प्रयोग किया जाता है।
मक्का	वनस्पतिक विकास/ परिपक्वता	जैसे ही भुट्टों में बीज भरने लगें, आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए। कीट का प्रकोप होने पर उचित कृषि उपाय करना चाहिए। मैदानी क्षेत्रों में फॉल आर्मी वर्म के हमले की स्थिति में, क्लोरेंट्रा निलिप्रोल 18.5 एससी 0.4 मि.ली./लीटर पानी की दर से उपयोग करना चाहिए। मैंकोजेब या जिनेब 75 WP 1.5 -2.0 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से 750- 800 लीटर पानी में ब्लाइट (पीले या भूरे रंग का अंडा जहाज आकार के धब्बे) लगने पर छिड़काव करें । दूसरा छिड़काव 10-15 दिन के अंतराल पर करना चाहिए।

		मक्के की अगेती किस्मों की तुड़ाई परिपक्व होने पर करनी चाहिए।
मूँग	वनस्पतिक विकास	सफेद मक्खी द्वारा प्रसारित पीले मोज़ेक वायरस की उपस्थिति पर, पाइरीप्रोक्सीफेन 10 ई.सी. 0.5 लीटर/हेक्टेयर की दर से 500-600 लीटर पानी में मिलाकर 10-12 दिनों के अंतराल पर डालें। किसानों को पीला मोज़ेक वायरस के प्रति प्रतिरोधी किस्मों का उपयोग करना चाहिए।
काला चना	वनस्पतिक विकास	सफेद मक्खी द्वारा प्रसारित पीले मोज़ेक वायरस की उपस्थिति पर, पाइरीप्रोक्सीफेन 10 ई.सी. 0.5 लीटर/हेक्टेयर की दर से 500-600 लीटर पानी में मिलाकर 10-12 दिनों के अंतराल पर डालें। किसानों को पीला मोज़ेक वायरस के प्रति प्रतिरोधी किस्मों का उपयोग करना चाहिए।
सोयाबीन	फूल/फली बनना	फूल एवं फलियाँ बनने पर आवश्यकतानुसार नमी बनाए रखी जानी चाहिए। सफेद मक्खी द्वारा प्रसारित पीले मोज़ेक वायरस की उपस्थिति पर, पाइरीप्रोक्सीफेन 10 ई.सी. 0.5 लीटर/हेक्टेयर की दर से 500-600 लीटर पानी में मिलाकर 10-12 दिनों के अंतराल पर डालें। किसानों को पीला मोज़ेक वायरस के प्रति प्रतिरोधी किस्मों का उपयोग करना चाहिए।
मूँगफली	वनस्पतिक विकास/ खूटियां या फलिया बनना	टिक्का रोग में पत्तियों पर हलके भूरे रंग के गोल धब्बे बन जातें है जिसके चारों ओर निचली सतह पर पीले घेरे होते है। इसके उपचार हेतु खड़ी फसल पर क्लोरोथेनोनिल 2 कि.ग्रा./ मैंकोजेब 80% 2 कि.ग्रा./ प्रोपिकोनाज़ोले 25 ई.सी. 500 मि. ली. मात्रा 800 से 1000 ली. पानी में घोलकर प्रति हैक्टर की दर से 2-3 छिड़काव 10-12 दिन के अंतराल पे करें।खूटियां या फलिया बनने पर आवश्यकतानुसार सिंचाई करें और नमी बनाये रखें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	रोपाई	रोपाई के चार से छः सप्ताह बाद हल्की गुड़ाई कर जड़ों पर मीट्टी चढ़ाना चाहिए। रासायनिक खरपतवार नियंत्रण के लिए फ्लूक्लोरोलिन की 1.0 कि. ग्रा. सक्रिय अंश प्रति हैक्टर की दर से पौध रोपण के एक दिन पूर्व करना चाहिए।
मूली	बुआई/अंकुरण	मूली की फसल में शुष्क मौसम होने पर हल्की सिंचाई बुआई के तुरन्त बाद करनी चाहिए तथा दूसरी सिंचाई 3-4 पत्तियाँ आने पर करनी चाहिए।
गाजर	बुआई/अंकुरण	अंकुरण के बाद नियमित निराई-गुड़ाई करनी चाहिए तथा पौधे से पौधे की दूरी 6-10 सेमी रखनी चाहिए।
चुकंदर	बुआई/अंकुरण	बुवाई के पर्याप्त नमी रहने पर प्रथम सिंचाई विरलीकरण के बाद करें।
पालक	बुआई/अंकुरण	पूरे फसल मौसम में 3-4 सिंचाई आवश्यक है और इस अवधि के दौरान मिट्टी में नमी बनाए रखी जानी चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	गोवत्स के पैदा होने के 15 दिन के उपरांत कैल्शियम, मैगनीशियम, फॉस्फोरस , जिंक , आयरन , आयोडीन , कॉपर तत्वों को लवण मिश्रण अथवा मिनरल ड्राप के रूप में सेवन कराएं।
भैंस	फूटरॉट ' रोग को रोकने के लिए, खुरों को कम से कम 3 दिनों तक सुबह और शाम के समय 2-3 मिनट के लिए 10% फॉर्मेलिन घोल या 5% नीले थोथे में डुबोया जाना चाहिए।
बकरी	ग्रामीण छेत्र में भेड़ एवं बकरियों को टिटेनस टॉक्साईड के 2 टिक्के एक माह पर, दूसरा 5 माह पर अवश्य

	लगवायें, जिससे नवजात मेमनों को टिटनेस नमक बीमारी न हो।